अंतरराष्ट्रीय वृद्ध दिवस • कनीना के राजकीय कन्या महाविद्यालय में बुर्जुगों को किया सम्मानित

बुजुर्ग समाज पर बोझ नहीं, अपितु आशीर्वाद है

भास्कर न्यूज | कनीना

राजकीय कन्या महाविद्यालय उन्हानी में शुक्रवार को अन्तरराष्ट्रीय वृद्ध दिवस के उपलक्ष्य में एक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें उन्हानी गांव के 92 वर्षीय केशुराम, 91 वर्षीय शांति देवी, 90 वर्षीय सुरजा सिंह, 87 वर्षीय सर्वण देवी, 86 वर्षीय जगदीश प्रसाद व 83 वर्षीय संतरा देवी को महाविद्यालय की ओर से सम्मानित किया गया। जिसका उद्देश्य छात्राओं को वृद्धजनों के सम्मान एवं सेवा का संदेश देना था। प्राचार्य डॉ. विक्रम ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि आज से सभी छात्राएं बुजुर्ग एवं वरिष्ठजनों को सम्मान देने एवं उनकी सेवा का ध्यान रखने का संकल्प लें। उन्होंने कहा कि बुजुर्ग समाज पर बोझ नहीं, अपितु आशीर्वाद है। उन्होंने कहा कि समाज में बुजुर्गों के प्रति गिरते हुए सम्मान के पुनर्जागरण के लिए महाविद्यालय ने राष्ट्रीय सेवा योजना के तहत प्रत्येक स्वयंसेविकाओं को एक-एक बुजुर्ग का

कनीना में कार्यक्रम के दौरान बुजुर्गों को सम्मानित करते स्टाफ सदस्य।

उन्हानी

दायित्व लेने का अभियान चलाया। इस अनूठी पहल का उच्चतर शिक्षा विभाग द्वारा भी अनुमोदन किया गया तथा इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय मीरपुर ने इस सराहनीय पहल का अनुसरण करते हुए इसे राष्ट्रीय सेवा योजना में अनिवार्य रूप से लागू किया गया। बुजुर्गों ने भी अपने अनुभव छात्राओं के साथ सांझा किये तथा छात्राओं को शिक्षा के साथ संस्कार भी ग्रहण करने का संदेश दिया, क्योंकि संस्कारों के बिना शिक्षा अधूरी है। अच्छे संस्कार ही एक आदर्श समाज की स्थापना में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते है।

डॉ. सुधीर ने कहा कि बुजुर्ग हमारे समाज एवं संस्कृति का आधारभूत स्तंभ है। इनके अनुभव और संघर्ष की यात्रा वह ताकत है, जो परिवार, समाज एवं देश को बुलंदी पर पहुंचा सकती है। राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी डॉ. सीमा देवी ने अंतरराष्ट्रीय दिवस पर न केवल स्वयंसेविकाओं से अपितु महाविद्यालय की प्रत्येक छात्रा से कम से कम 2 घंटे बुजुर्गों की सेवा करने का अनुरोध किया, स्वयंसेविकाओं को अपने द्वारा प्रतिगृहित बुजुर्गजनों की सेवा कर अपने अनुभवों को बुजुर्ग सेवा रिपोर्ट डायरी में लिपिबद्ध करने को कहा। राजेश कुमार ने छात्राओं को संदेश देते हुए कहा कि यह दिवस भारतीय संस्कृति के पुरातन मूल्यों के जागरण का संदेश देता है, क्योंकि हमारे पूर्वजों ने कहा है कि वृद्धजनों की सेवा करने वालों की आयु, विद्या, यश और बल बढ़ते हैं तथा कहा कि वर्तमान समय में कोविड-19 महामारी के दौरान प्रत्येक व्यक्ति का यह सामाजिक दायित्व है कि अपने आसपास के वृद्ध जनों की देखभाल में यथासंभव सहयोग दें। इस कार्यक्रम के दौरान डॉ. सुधीर यादव, डॉ. सीमा देवी, नीतू, सोमेश चंद, कविता, डॉ. अंकिता यादव, राजेश, अनिल, हरपाल, मोनू, पूनम, रामपाल, नीरज एवं हरीश उपस्थित रहे।

दैनिक भास्कर

दिनांक 02/10/2021